भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2361

सोमवार, 13 दिसम्बर, 2021/22 अग्रहायण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वर्णगिरी किले में रोप-वे

2361. श्री देवजी पटेल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जालौर जिले में स्थित स्वर्णगिरी किले से हजारों साल का ऐतिहासिक वैभव और वास्तुकला की सुंदरता परिलक्षित होती है तथा सुंदरता/वास्तुकला की खूबसूरती का नमूना जालौर का यह किला वीरता और देशभक्ति का पर्याय है;

(ख) क्या इस किले के लिए 28 जून 2017 को रोपवे के लिए 8.82 करोड रुपए स्वीकृत/ मंजूरी किए गए थे, जिसमें से 7 करोड़ रुपये रोप-वे पर और शेष राशि पर्यटन सुविधा केंद्र तथा भूतल पार्किंग एवं सीढ़ियों के लिए रैलिंग और स्वच्छ पेयजल तथा बैठने के लिए बेंच आदि पर व्यय किया जाना था;

(ग) यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह कार्य निधि जारी होने की तिथि से 18 माह के भीतर पूरा किया जाना था लेकिन यह अवधि बीत जाने के बाद भी यह कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है यदि हां तो इसके क्या कारण है; और

(ड.) कार्य में देरी के क्या कारण हैं और सरकार द्वारा इस कार्य को पूरा करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) जी हां, महोदय। स्वर्णगिरि किला अपने इतिहास और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है।

(ख) और (ग) पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2017-18 में राजस्थान में विरासत परिपथ के विकास के लिए परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें जालौर किले में विभिन्न घटकों का विकास शामिल है। जालौर किले के लिए कुल राशि रु. 8.82 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे जिसमें रोपवे के विकास के लिए 7.00 करोड़ रुपए और अन्य घटकों जैसे कि पार्किंग, किले की ओर जाने वाले रास्ते (सीढ़ियों) पर रेलिंग, पर्यटक सुविधा केंद्र, भूतल पार्किंग, पीने के पानी की सुविधा, बेंच आदि के लिए 1.82 करोड़ रुपये शामिल थे।

(घ) और (ड): राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (आरटीडीसी) इस परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी है और परियोजना के दिनांक 28.06.0217 स्वीकृति आदेश संख्या 5(04)/2021-एसडी के अनुसार, इसे 18 महीने के भीतर पूरा और चालू किया जाना था। 16 जनवरी 2020 को आयोजित क्षेत्रीय समीक्षा बैठक के दौरान परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई; जहां राजस्थान राज्य सरकार ने बताया कि रोपवे के लिए दो बार टेंडर हो चुका है और कोई उत्तर नहीं मिले हैं। सूचित किया गया है कि शेष घटकों के लिए अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। इसके बाद निर्णय लिया गया कि जालौर किले में सभी स्वीकृत घटकों को हटा दिया गया क्योंकि रोपवे के लिए कार्य आदेश अभी तक नहीं दिया गया है और शेष घटकों के लिए काम शुरू नहीं हो पाया है।

****